निधि पाण्डे, भा.सू.से.
आयुक्त
Nidhi Pandey, I.I.S.
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : kvs.commissioner@gmail.com, Website : www.kvsangathan.nic.in

अपील

पूरा देश अपनी आजादी का 75वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। देशभक्ति के इस पावन माहौल में मैं आपको यह भी ध्यान दिलवाना चाहूँगी कि भारत की संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करने का निर्णय लिया और 26 जनवरी, 1950 को संविधान के लागू होने पर हिंदी संविधान की धारा 343 के अनुसार देश की राजभाषा बनी। यही कारण है कि 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। निःसंदेह आज पूरे विश्व में हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में उभर रही है जिसने न केवल भारत की अन्य भाषाओं अपितु पूरे विश्व की अनेक भाषाओं के सैंकड़ों शब्दों को अपने में समाहित किया हुआ है और यही कारण है कि विश्व की अग्रणी आईटी कंपनियों द्वारा उनके सॉफ्टवेयर्स में भी हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है और उन्हें अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी बनाया जा रहा है। हिंदी की इसी महत्ता के कारण वर्ष 2006 में प्रथम बार 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाना आरम्भ किया गया और यह परंपरा आज तक कायम है जो न केवल समस्त भारतवासियों अपितु सभी हिंदी प्रेमियों के लिए एक गर्व का विषय है।

आज हिंदी विश्व के 90 से भी अधिक देशों में पढ़ाई जा रही है जहाँ इसके विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है जिसमें शब्दों को कंठ, तालु और होठों आदि से उच्चारित किया जाता है और इसकी सबसे बड़ी सरलता ''जैसी लिखी जाए वैसे ही बोली जाए'' है।

भारत सरकार द्वारा विभिन्न राजभाषा नियम बनाकर सभी सरकारी कार्यालयों में इसके पूर्ण प्रयोग को सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय संगठन एक अग्रणी संस्थान है जो वर्तमान में पूरे देश में अपने 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के द्वारा लगभग 1200 से भी अधिक केंद्रीय विद्यालयों का संचालन कर रहा है जहाँ शिक्षा के माध्यम के बच्चों में देशप्रेम और राष्ट्रीयता की भावना को जागृत कर देश की भावी पीढ़ी को तैयार करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में हम सभी का यह नैतिक दायित्व भी बनता है कि हम अपने दैनिक सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और केंद्रीय विद्यालयों के बच्चों में राजभाषा हिंदी के प्रति लगाव और राष्ट्र प्रेम को संचारित करें।

मैं आज हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी से अपील करती हूँ कि हम सभी यह संकल्प लें कि हम सभी आज से ही अपने कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे और हिंदी जिस सम्मान और दर्जा प्राप्त करने की हकदार है उसमें पूरी निष्ठा से प्रयत्नशील रहेंगे।

14 सितम्बर, 2022

निधि पाण्डे

(निधि पाण्डे)